Registration No. RAJBIL/2016/69093
OFFICIAL PUBLICATION OF LAGHU UDYOG BHARATI

लघु उद्योग भारती

UDYOG TIMES

Volume - 7 Issue - 03 January 2024
Total Pages - 20 Price - Rs. 10

राष्ट्र की आस्था का नव अभ्युदय

Industry Minister of Madhya Pradesh Shri Chaitanya Kashyap and LUB's State President Shri Rajesh Mishra attended a Meeting with State Officials and released New Brochure.

Bhilwara MP Shri Subhash Bahediya inaugurated Swayamsiddha Exhibition organised by Laghu Udyog Bharati on 5-7 January, 2024.

LUB's Hosur Unit of Tamil Nadu State conducted its Monthly Meeting for Review and Future Plan for the Organization.

A Special Training Session was conducted for LUB's Members by National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories (NABL) at Chennai.

UDYOG TIMES

OFFICIAL PUBLICATION OF LAGHU UDYOG BHARATI

Volume -7 **Issue - 03** **January, 2024**

Editorial Board

■ **Patron**

Shri (Dr.) Krishna Gopal ji, Sampark Adhikari

Shri Prakash Chandra ji, National Org. Secretary 099299-93660

Shri Ghanshyam Ojha, National President 098290-22896

Shri Om Prakash Gupta, National Gen. Secretary 095602-55055

■ **Publisher**

Om Prakash Mittal, Past President 094140-51265

■ **Editor**

Dr. Kirti Kumar Jain 094141-90383

■ **Associate Editor**

Mahendra Kumar Khurana 098290-68865

■ **Co-Editor**

Dr. Sanjay Mishra 098295-58069

विवरणिका

Editorial	03-03
श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा भारतवर्ष...	04-05
अयोध्या में सर्वोच्च मानवीय मूल्यों..	06-09
Important Income Tax Updates & Compliances ...	10-10
A Year of Hits and Misses for the Indian...	11-11
LUB's News in Brief ...	12-18

Price - 10/- ***Life Membership 1000/-***

An In-House Monthly Magazine of Laghu Udyog Bharati published by Om Prakash Mittal

Mail: opmittal10256@gmail.com Web : www.lubindia.com

Corporate Office & Head Office :

Plot No. 48, Deendayal Upadhyay Marg,

New Delhi-110002

Ph.: 011-23238582

Registered Office :

Plot No. 184, Shivaji Nagar, Nagpur-440011

Ph.: 0712-2533552

PLI Scheme

Editorial

Dr. Kirti Kumar Jain

kkjain383@gmail.com

The Production Linked Incentive (PLI) scheme was launched in March 2020, initially targeting three sectors- electrical component, medical devices and mobile & allied component manufacturing. Later, this scheme was extended to 14 sectors. Since then the scheme has come a long way in shaping up the Indian manufacturing sector, and latest official figures shown are graceful.

According to a Commerce Ministry statement, the PLI schemes have led to investments of over Rs. 95,000 crore till September 23, resulting in production/sales of Rs. 7.80 lakh crore and employment generation (direct & indirect) of over 6.4 lakh. Export reached to Rs. 3.20 lakh crore. Value addition of 20% in mobile manufacturing and import substitution of 60% in the telecom sector have been achieved.

Under the schemes, incentives worth about Rs. 2,900 crore have been disbursed in FY 2022-23. Now experts are asking to the Centre to release the data on the amount of subsidies distributed under the PLI schemes, adding that it would allow a proper public assessment of the scheme. In terms of mobile manufacturing.

Meanwhile, the Government has extended the tenure of the PLI scheme for automobile and auto components by one year, making partial amendments as per which incentive will be applicable for a total of five consecutive financial years, starting from FY 2023-24, but not beyond the financial year ending on March 31, 2028. Total outlay of the scheme has been increased to Rs. 25,938 crore.

I invite your opinions.

□□□

श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा भारतवर्ष के पुनर्निर्माण और सर्व-कल्याणकारी युग की स्थापना का महत्वपूर्ण अध्याय

प्रेरक पाथेय

डॉ.मोहनराव भागवत
पूज्य सर संघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
(प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निमित्त मूल मराठी में लिखे विशेष आलेख से अनुवाद)

हमारे भारतका इतिहास पिछले लगभग डेढ़ हजार वर्षों से आक्रांताओं से निरंतर संघर्ष का इतिहास है। आरंभिक आक्रमणों का उद्देश्य लूटपाट करना और कभी-कभी (सिकंदर जैसे आक्रमण) अपना राज्य स्थापित करने के लिए होता था। परंतु इस्लाम के नाम पर पश्चिम से हुए आक्रमण यह समाज का पूर्णविनाश और अलगावही लेकर आए। देश-समाज को हतोत्साहित करने के लिए उनके धार्मिक स्थलों को नष्टकरना अनिवार्य था, इसलिए विदेशी आक्रमणकारियों ने भारत में मंदिरों को भी नष्ट कर दिया। ऐसा उन्होंने एक बार नहीं, बल्कि अनेकों बार किया। उनका उद्देश्य भारतीय समाज को हतोत्साहित करना था ताकि भारतीय स्थायी रूप से कमजोर हो जाएँ और वे उन पर अबाधित शासन कर सकें।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर का विध्वंस भी इसी मनोभाव से, इसी उद्देश्य से किया गया था। आक्रमणकारियों की यह नीति केवलअयोध्या या किसीएक मंदिर तक ही सीमित नहींथी, बल्कि संपूर्णविश्व के लिए थी। भारतीय शासकों ने कभी किसी पर आक्रमण नहीं किया, परन्तु विश्व के शासकों ने अपने राज्य के विस्तार के लिए आक्रामक होकर ऐसे कुकृत्य किये हैं। परंतु इसका भारत पर उनकी अपेक्षानुसार वैसा परिणाम नहीं हुआ, जिसकी आशा वे लगा बैठे थे। इसके विपरीत भारत में समाज की आस्था निष्ठा और मनोबल कभी कम नहीं हुआ, समाज झुका नहीं, उनका प्रतिरोध का जो संघर्ष था वह चलता रहा। इस कारण जन्मस्थान बार-बार पर अपने आधिपत्य में कर, वहां मंदिर बनाने का निरंतर प्रयास किया गया। उसके लिए अनेक युद्ध, संघर्ष और बलिदान हुए। और राम जन्मभूमि का मुद्दा हिंदुओं के मन में बना रहा।

1857 में विदेशी अर्थात ब्रिटिश शक्ति के विरुद्ध युद्ध योजनाएं बनाई जाने लगी, तो उसमें हिंदू और मुसलमानों ने मिलकर उनके विरुद्ध लड़ने की तैयारी दर्शाई और तब उनमें आपसी विचार-विनिमय हुआ। और उस समय गौ-हत्या बंदी और श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति के मुद्दे पर सुलह हो जाएगी, ऐसी स्थिति निर्माण हुई।

बहादुर शाह जफर ने अपने घोषणा-पत्र में गौहत्या पर प्रतिबंध भी शामिल किया। इसलिए सभी समाज एक साथ मिलकर लड़े। उस युद्ध में भारतीयों ने वीरता दिखाई लेकिन दुर्भाग्य से यह युद्ध विफल रहा, और भारत को स्वतंत्रता नहीं मिली, ब्रिटिश शासन अबाधित रहा, परन्तु राम मंदिर के लिए संघर्ष नहीं रुका।

अंग्रेजों की हिंदू मुसलमानों में 'फूट डालो और राज करो' की नीति के अनुसार, जो पहले से चली आ रही थी और इस देश की प्रकृति के अनुसार अधिक से अधिक सख्त होती गई। एकता को तोड़ने के लिए अंग्रेजों ने संघर्ष के नायकों को अयोध्या में फांसी दे दी और राम जन्मभूमि की मुक्ति का प्रश्न वहीं का वहीं रह गया। राम मंदिर के लिए संघर्ष जारी रहा।

1947 में देश को स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जब सर्वसम्मति से सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया, तभी ऐसे मंदिरों की चर्चा शुरू हुई। राम जन्मभूमि की मुक्ति के संबंध में ऐसी सभी सर्वसम्मति पर विचार किया जा सकता था, परंतु राजनीति की दिशा बदल गयी। भेदभाव और तुष्टीकरण जैसे स्वार्थी राजनीति के रूप प्रचलित होने लगे और इसलिए प्रश्न ऐसे ही बना रहा। सरकारों ने इस मुद्दे पर हिंदू समाज की इच्छा और मन की बात पर विचार ही नहीं किया। इसके विपरीत, उन्होंने समाज द्वारा की गई पहल को उध्वस्त करने का प्रयास किया। स्वतंत्रता पूर्व से ही इससे संबंधित चली आ रही कानूनी लड़ाई निरंतर चलती रही। राम जन्मभूमि की मुक्ति के लिए जन आंदोलन 1980 के दशक में शुरू हुआ और तीस वर्षों तक जारी रहा।

वर्ष 1949 में राम जन्मभूमि पर भगवानश्री रामचन्द्र की मूर्ति का प्राकट्य हुआ। 1986में अदालत के आदेश से मंदिरका ताला खोल

दिया गया। आगामीकाल में अनेक अभियानों एवं कारसेवा के माध्यम से हिन्दू समाज का सतत संघर्ष जारी रहा। 2010 में इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला स्पष्ट रूप से समाज के सामने आया। जल्द से जल्द अंतिम निर्णय के माध्यम से इस मुद्दे को हल करने के लिए आगे भी आग्रह जारी रखना पड़ा। 9 नवंबर, 2019 में 134 वर्षों के कानूनी संघर्ष के बाद सुप्रीमकोर्ट ने सत्य और तथ्यों को परखने के बाद संतुलित निर्णय दिया। दोनों पक्षों की भावनाओं और तथ्यों पर भी विचार इस निर्णय में किया गया था। कोर्ट में सभी पक्षों के तर्क सुनने के बाद यह निर्णय सुनाया गया है। इस निर्णय के अनुसार मंदिर के निर्माण के लिए एक न्यासी मंडल की स्थापना की गई। मंदिर का भूमिपूजन 5 अगस्त,2020 को हुआ और अब पौष शुक्ल द्वादशीयुगाब्द 5125, तदनुसार 22जनवरी, 2024को श्री रामलला की मूर्ति स्थापना और प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया गया है।

धार्मिक दृष्टि से श्री राम बहुसंख्यक समाज के आराध्य देव हैं और श्री रामचन्द्रका जीवन आज भी संपूर्ण समाजद्वारा स्वीकृत आचरण का आदर्श है। इसलिए अब अकारण विवाद को लेकरजो पक्ष-विपक्ष खड़ा हुआ है,उसे खत्म कर देना चाहिए। इस बीच में उत्पन्नहुई कड़वाहट भी समाप्त होनी चाहिए। समाज के प्रबुद्ध लोगों को यह अवश्य देखना चाहिए कि विवाद पूर्णत: समाप्त हो जाये। अयोध्या का अर्थहै 'जहाँ युद्ध न हो', 'संघर्ष से मुक्त स्थान' वह

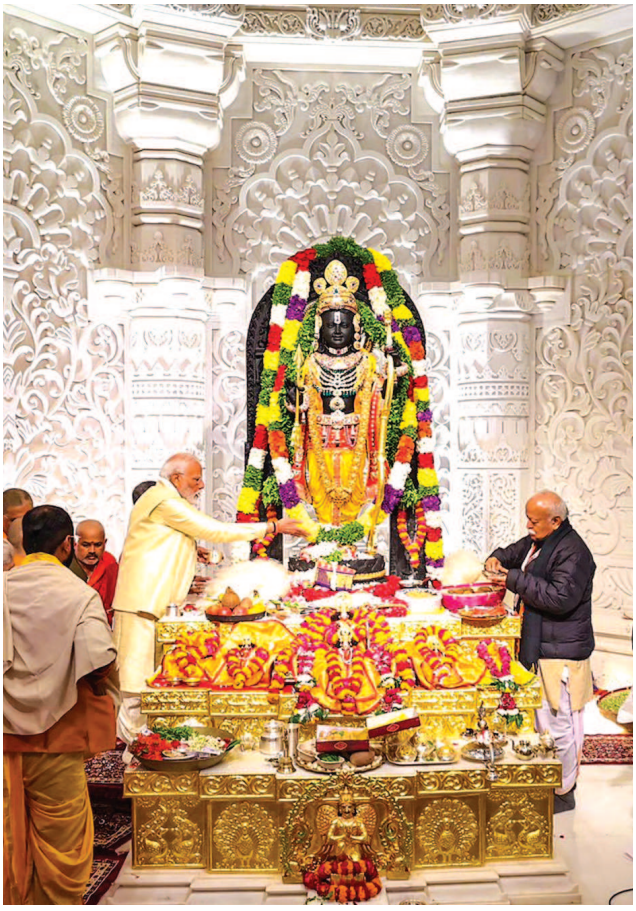

नगर ऐसा है। संपूर्ण देश में इस निमित्त मन में अयोध्या का पुनर्निर्माण आज की आवश्यकता है और हम सभी का कर्तव्य भी है।

अयोध्या में श्री राम मंदिर के निर्माण का अवसर अर्थात राष्ट्रीय गौरव के पुनर्जागरण का प्रतीक है। यह आधुनिक भारतीय समाज द्वारा भारत के आचरण के मर्यादा की जीवनदृष्टि की स्वीकृति है। मंदिर में श्रीराम की पूजा 'पत्रं पुष्पं फलं तोयं' की पद्धति से और साथ ही राम के दर्शन को मन मंदिर में स्थापित कर उसके प्रकाश में आदर्श आचरण अपनाकर भगवान श्री राम की पूजा करनी है क्योंकि 'शिवो भूत्वा शिवं भजेत् रामो भूत्वा रामं भजेत्' को ही सच्ची पूजा कहा गया है।

इस दृष्टि से विचार करें तो भारतीय संस्कृति के सामाजिक स्वरूप के अनुसार

मातृवत् परदारेषु, परद्रव्येषु लोष्ठवत्।

आत्मवत् सर्वभूतेषु, य: पश्यति स: पंडित:।

इस तरह हमें भी श्री राम के मार्ग पर चलने होगा।

जीवन में सत्यनिष्ठा, बल और पराक्रम के साथ क्षमा, विनयशीलता और नम्रता, सबके साथ व्यवहार में नम्रता, हृदय की सौम्यता और कर्तव्य पालन में स्वयं के प्रति कठोरता इत्यादि, श्री राम के गुणों का अनुकरण हर किसी को अपने जीवन में और अपने परिवार में सभी के जीवन में लाने का प्रयत्न ईमानदारी, लगन और मेहनत से करना होगा।

साथ ही, अपने राष्ट्रीय जीवन को देखते हुए सामाजिक जीवन में भी अनुशासन बनाना होगा। हम जानते हैं कि श्री राम-लक्ष्मण ने उसी अनुशासन के बल पर अपना 14 वर्ष का वनवास और शक्तिशाली रावण के साथ सफल संघर्ष पूरा किया था। श्री राम के चरित्र में प्रतिबिंबित न्याय और करुणा, सद्भाव, निष्पक्षता, सामाजिक गुण, एक बार फिर समाज में व्याप्त करना, शोषण रहित समान न्याय पर आधारित, शक्ति के साथ-साथ करुणा से संपन्न एक पुरुषार्थी समाज का निर्माण करना, यही श्रीराम की पूजा होगी।

अहंकार, स्वार्थ और भेदभाव के कारण यह विश्व विनाश के उन्माद में है और अपने ऊपर अनंत विपत्तियाँ ला रहा है। सद्भाव, एकता, प्रगति और शांति का मार्ग दिखाने वाले जगदाभिराम भारतवर्ष के पुनर्निर्माण का सर्व-कल्याणकारी और 'सर्वेषाम् अविरोधी' अभियान का प्रारंभ, श्री रामलला के राम जन्मभूमि में प्रवेश और उनकी प्राण-प्रतिष्ठा से होने वाला है। हम उस अभियान के सक्रिय कार्यान्वयनकर्ता हैं। हम सभी ने 22 जनवरी के भक्तिमय उत्सव में मंदिर के पुनर्निर्माण के साथ-साथ भारत और इससे पूरे विश्व के पुनर्निर्माण को पूर्तता में लाने का संकल्प लिया है। इस भावना को अंतर्मन में स्थापित करते हुए अग्रसर हो।

जय सिया राम। □□□

अयोध्या में सर्वोच्च मानवीय मूल्यों, आदर्शों और भारतीय संस्कृति के प्रति अटूट विश्वास की प्राण-प्रतिष्ठा

(ये मंदिर, मात्र एक देव मंदिर नहीं है। ये भारत की दृष्टि का, भारत के दर्शन का, भारत के दिग्दर्शन का मंदिर है। ये राम के रूप में राष्ट्र चेतना का मंदिर है।)

मन की बात

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री, भारत सरकार
(राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में दिए भाषण से अंश)

श्रद्धेय मंच, सभी संत एवं ऋषिगण, यहां उपस्थित और विश्व के कोने-कोने में हम सबके साथ जुड़े हुए सभी रामभक्त, आप सबको प्रणाम, सबको राम-राम।

आज हमारे राम आ गए हैं! सदियों की प्रतीक्षा के बाद हमारे राम आ गए हैं। सदियों का अभूतपूर्व धैर्य, अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद हमारे प्रभु राम आ गये हैं। इस शुभ घड़ी की आप सभी को, समस्त देशवासियों को, बहुत-बहुत बधाई।

मैं अभी गर्भगृह में ईश्वरीय चेतना का साक्षी बनकर आपके सामने उपस्थित हुआ हूं। कितना कुछ कहने को है, लेकिन कंठ अवरुद्ध है। मेरा शरीर अभी भी स्पंदित है, चित्त अभी भी उस पल में लीन है। हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे। हमारे रामलला अब इस दिव्य मंदिर में रहेंगे। मेरा पक्का विश्वास है, अपार श्रद्धा है कि जो घटित हुआ है इसकी अनुभूति, देश के, विश्व के, कोने-कोने में रामभक्तों को हो रही होगी। ये क्षण अलौकिक है। ये पल पवित्रतम है। ये माहौल, ये वातावरण, ये ऊर्जा, ये घड़ी... प्रभु श्रीराम का हम सब पर आशीर्वाद है।

22 जनवरी, 2024 का ये सूरज एक अद्भुत आभा लेकर आया है। 22 जनवरी, 2024 ये कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं। ये एक नए कालचक्र का उद्गम है। राम मंदिर के भूमिपूजन के बाद से प्रतिदिन पूरे देश में उमंग और उत्साह बढ़ता ही जा रहा था। निर्माण कार्य देख, देशवासियों में हर दिन एक नया विश्वास पैदा हो रहा था। आज हमें सदियों के उस धैर्य की धरोहर मिली है, आज हमें श्रीराम का मंदिर मिला है। गुलामी की मानसिकता को तोड़कर उठ खड़ा हो रहा राष्ट्र, अतीत के हर दंश से हौसला लेता हुआ राष्ट्र, ऐसे ही नव इतिहास का सृजन करता है।

आज से हजार साल बाद भी लोग आज की इस तारीख की, आज के इस पल की चर्चा करेंगे। और ये कितनी बड़ी रामकृपा है कि हम इस पल को जी रहे हैं, इसे साक्षात घटित होते देख रहे हैं। आज दिन-दिशाएँ... दिग-दिगंत... सब दिव्यता से परिपूर्ण हैं। ये समय, सामान्य समय नहीं है। ये काल के चक्र पर सर्वकालिक स्याही से अंकित हो रहीं अमिट स्मृति रेखाएँ हैं।

साथियों, हम सब जानते हैं कि जहां राम का काम होता है, वहाँ पवनपुत्र हनुमान अवश्य विराजमान होते हैं। इसलिए, मैं रामभक्त हनुमान और हनुमानगढ़ी को भी प्रणाम करता हूँ। मैं माता जानकी, लक्ष्मण जी, भरत-शत्रुघ्न, सबको नमन करता हूं। मैं पावन अयोध्या पुरी और पावन सरयू को भी प्रणाम करता हूँ। मैं इस पल दैवीय अनुभव कर रहा हूँ कि जिनके आशीर्वाद से ये महान कार्य पूरा हुआ है... वे दिव्य आत्माएँ, वे दैवीय विभूतियाँ भी इस समय हमारे आस-पास उपस्थित हैं। मैं इन सभी दिव्य चेतनाओं को भी कृतज्ञता पूर्वक नमन करता हूँ। मैं आज प्रभु श्रीराम से क्षमा याचना भी करता हूं। हमारे पुरुषार्थ, हमारे त्याग,

तपस्या में कुछ तो कमी रह गयी होगी कि हम इतनी सदियों तक ये कार्य कर नहीं पाए। आज वो कमी पूरी हुई है। मुझे विश्वास है, प्रभु राम आज हमें अवश्य क्षमा करेंगे।

मेरे प्यारे देशवासियों, त्रेता में राम आगमन पर तुलसीदास जी ने लिखा है- प्रभु बिलोकि हरषे पुरबासी। जनित वियोग बिपति सब नासी। अर्थात, प्रभु का आगमन देखकर ही सब अयोध्यावासी, समग्र देशवासी हर्ष से भर गए। लंबे वियोग से जो आपत्ति आई थी, उसका अंत हो गया। उस कालखंड में तो वो वियोग केवल 14 वर्षों का था, तब भी इतना असह्य था। इस युग में तो अयोध्या और देशवासियों ने सैकड़ों वर्षों का वियोग सहा है। हमारी कई-कई पीढ़ियों ने वियोग सहा है। भारत के तो संविधान में, उसकी पहली प्रति में, भगवान राम विराजमान हैं। संविधान के अस्तित्व में आने के बाद भी दशकों तक प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को लेकर कानूनी लड़ाई चली। मैं आभार व्यक्त करूंगा भारत की न्यायपालिका का, जिसने न्याय की लाज रख ली। न्याय के पर्याय प्रभु राम का मंदिर भी न्याय बद्ध तरीके से ही बना।

साथियों, आज गाँव-गाँव में एक साथ कीर्तन, संकीर्तन हो रहे हैं। आज मंदिरों में उत्सव हो रहे हैं, स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं। पूरा देश आज दीवाली मना रहा है। आज शाम घर-घर राम ज्योति प्रज्वलित करने की तैयारी है। कल मैं श्रीराम के आशीर्वाद से धनुषकोडि में रामसेतु के आरंभ बिंदु अरिचल मुनाई पर था। जिस घड़ी प्रभु राम समुद्र पार करने निकले थे वो एक पल था जिसने कालचक्र को बदला था। उस भावमय पल को महसूस करने का मेरा ये विनम्र प्रयास था। वहां पर मैंने पुष्प वंदना की। वहां मेरे भीतर एक विश्वास जगा कि जैसे उस समय कालचक्र बदला था उसी तरह अब कालचक्र फिर बदलेगा और शुभ दिशा में बढ़ेगा। अपने 11 दिन के व्रत-अनुष्ठान के दौरान मैंने उन स्थानों का चरण स्पर्श करने का प्रयास किया, जहां प्रभु राम के चरण पड़े थे। चाहे वो नासिक का पंचवटी धाम हो, केरला का पवित्र त्रिप्रायर मंदिर हो, आंध्र प्रदेश में लेपाक्षी हो, श्रीरंगम में रंगनाथ स्वामी मंदिर हो, रामेश्वरम में श्री रामनाथस्वामी मंदिर हो, या फिर धनुषकोडि... मेरा सौभाग्य है कि इसी पुनीत पवित्र भाव के साथ मुझे सागर से सरयू तक की यात्रा का अवसर मिला। सागर से सरयू तक, हर जगह राम नाम का वही उत्सव भाव छाया हुआ है। प्रभु राम तो भारत की आत्मा के कण-कण से जुड़े हुए हैं। राम, भारतवासियों के अंतर्मन में विराजे हुए हैं। हम भारत में कहीं भी, किसी की अंतरात्मा को छुएंगे, तो इस एकत्व की

अनुभूति होगी, और यही भाव सब जगह मिलेगा। इससे उत्कृष्ट, इससे अधिक, देश को समायोजित करने वाला सूत्र और क्या हो सकता है?

मेरे प्यारे देशवासियों,

मुझे देश के कोने-कोने में अलग-अलग भाषाओं में रामायण सुनने का अवसर मिला है, लेकिन विशेषकर पिछले 11 दिनों में रामायण अलग-अलग भाषा में, अलग-अलग राज्यों से मुझे विशेष रूप से सुनने का सौभाग्य मिला। राम को परिभाषित करते हुये ऋषियों ने कहा है- रमन्ते यस्मिन् इति रामः॥ अर्थात, जिसमें रम जाया जाए, वही राम है। राम लोक की स्मृतियों में, पर्व से लेकर परम्पराओं में, सर्वत्र समाये हुए हैं। हर युग में लोगों ने राम को जिया है। हर युग में लोगों ने अपने-अपने शब्दों में, अपनी-अपनी तरह से राम को अभिव्यक्त किया है। और ये रामरस, जीवन प्रवाह की तरह निरंतर बहता रहता है। प्राचीन काल से भारत के हर कोने के लोग रामरस का आचमन करते रहे हैं। रामकथा असीम है, रामायण भी अनंत हैं। राम के आदर्श, राम के मूल्य, राम की शिक्षाएं, सब जगह एक समान हैं।

प्रिय देशवासियों,

आज इस ऐतिहासिक समय में देश उन व्यक्तित्वों को भी याद कर रहा है, जिनके कार्यों और समर्पण की वजह से आज हम ये शुभ दिन देख रहे हैं। राम के इस काम में कितने ही लोगों ने त्याग और तपस्या की पराकाष्ठा दिखाई है। उन अनगिनत रामभक्तों के, उन अनगिनत कारसेवकों के और उन अनगिनत संत महात्माओं के हम सब ऋणी हैं।

साथियों, आज का ये अवसर उत्सव का क्षण तो है ही, लेकिन इसके साथ ही ये क्षण भारतीय समाज की परिपक्वता के बोध का क्षण भी है। हमारे लिए ये अवसर सिर्फ विजय का नहीं, विनय का भी है। दुनिया का इतिहास साक्षी है कि कई राष्ट्र अपने ही इतिहास में उलझ जाते हैं। ऐसे देशों ने जब भी अपने इतिहास की उलझी हुई गांठों को खोलने का प्रयास किया, उन्हें सफलता पाने में बहुत कठिनाई आई। बल्कि कई बार तो पहले से ज्यादा मुश्किल परिस्थितियां बन गईं। लेकिन हमारे देश ने इतिहास की इस गांठ को जिस गंभीरता और भावुकता के साथ खोला है, वो ये बताती है कि हमारा भविष्य हमारे अतीत से बहुत सुंदर होने जा रहा है। वो भी एक समय था, जब कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना, तो आग लग जाएगी। ऐसे लोग भारत के सामाजिक भाव की पवित्रता को नहीं जान पाए। रामलला के इस मंदिर का निर्माण, भारतीय समाज के शांति, धैर्य, आपसी सद्भाव और समन्वय का भी प्रतीक है। हम देख रहे हैं, ये निर्माण किसी आग को नहीं, बल्कि ऊर्जा को जन्म दे रहा है। राम मंदिर समाज के हर वर्ग को एक उज्जवल भविष्य के पथ पर बढ़ने की प्रेरणा लेकर आया है। मैं आज उन लोगों से आह्वान करूंगा... आईये, आप महसूस कीजिए, अपनी सोच पर पुनर्विचार कीजिए। राम आग नहीं है, राम ऊर्जा हैं। राम विवाद नहीं, राम समाधान हैं। राम सिर्फ हमारे नहीं हैं, राम तो सबके हैं। राम वर्तमान ही नहीं, राम अनंतकाल हैं।

साथियों,

आज जिस तरह राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा के इस आयोजन से पूरा विश्व जुड़ा हुआ है, उसमें राम की सर्वव्यापकता के दर्शन हो रहे हैं। जैसा उत्सव भारत में है, वैसा ही अनेकों देशों में है। आज अयोध्या का ये उत्सव रामायण की उन वैश्विक परम्पराओं का भी उत्सव बना है। रामलला की ये प्रतिष्ठा 'वसुधैव कुटुंबकम्' के विचार की भी प्रतिष्ठा है।

साथियों,

आज अयोध्या में, केवल श्रीराम के विग्रह रूप की प्राण प्रतिष्ठा नहीं हुई है। ये श्रीराम के रूप में साक्षात् भारतीय संस्कृति के प्रति अटूट विश्वास की भी प्राण प्रतिष्ठा है। ये साक्षात् मानवीय मूल्यों और सर्वोच्च आदर्शों की भी प्राण प्रतिष्ठा है। इन मूल्यों की, इन आदर्शों की आवश्यकता आज सम्पूर्ण विश्व को है। सर्वे भवन्तु सुखिनः ये संकल्प हम सदियों से दोहराते आए हैं। आज उसी संकल्प को राममंदिर के रूप में साक्षात् आकार मिला है। ये मंदिर, मात्र एक देव मंदिर नहीं है। ये भारत की दृष्टि का, भारत के दर्शन का, भारत के दिग्दर्शन का मंदिर है। ये राम के रूप में राष्ट्र चेतना का मंदिर है। राम भारत की आस्था हैं, राम भारत का आधार हैं। राम भारत का विचार हैं, राम भारत का विधान हैं। राम भारत की चेतना हैं, राम भारत का चिंतन हैं। राम भारत की प्रतिष्ठा हैं, राम भारत का प्रताप हैं। राम प्रवाह हैं, राम प्रभाव हैं। राम नेति भी हैं। राम नीति भी हैं। राम नित्यता भी हैं। राम निरंतरता भी हैं। राम विभु हैं, विशद हैं। राम व्यापक हैं, विश्व हैं, विश्वात्मा हैं। और इसलिए, जब राम की प्रतिष्ठा होती है, तो उसका प्रभाव वर्षों या शताब्दियों तक ही नहीं होता। उसका प्रभाव हजारों वर्षों के लिए होता है। महर्षि वाल्मीकि ने कहा है- राज्यम् दश सहस्राणि प्राप्य वर्षाणि राघवः। अर्थात, राम दस हजार वर्षों के लिए राज्य पर प्रतिष्ठित हुए। यानी हजारों वर्षों के लिए रामराज्य स्थापित हुआ। जब त्रेता में राम आए थे, तब हजारों वर्षों के लिए रामराज्य की स्थापना हुई थी। हजारों वर्षों तक राम विश्व पथ-प्रदर्शन करते रहे थे।

और इसलिए मेरे प्यारे देशवासियों, आज अयोध्या भूमि हम सभी से, प्रत्येक रामभक्त से, प्रत्येक भारतीय से कुछ सवाल कर रही है। श्रीराम का भव्य मंदिर तो बन गया...अब आगे क्या? सदियों का इंतजार तो खत्म हो गया...अब आगे क्या? आज के इस अवसर पर जो दैव, जो दैवीय आत्माएं हमें आशीर्वाद देने के लिए उपस्थित हुई हैं, हमें देख रही हैं, उन्हें क्या हम ऐसे ही विदा करेंगे? नहीं, कदापि नहीं। आज मैं पूरे पवित्र मन से महसूस कर

रहा हूं कि कालचक्र बदल रहा है। ये सुखद संयोग है कि हमारी पीढ़ी को एक कालजयी पथ के शिल्पकार के रूप में चुना गया है। हज़ार वर्ष बाद की पीढ़ी, राष्ट्र निर्माण के हमारे आज के कार्यों को याद करेगी। इसलिए मैं कहता हूं- यही समय है, सही समय है। हमें आज से, इस पवित्र समय से, अगले एक हजार साल के भारत की नींव रखनी है। मंदिर निर्माण से आगे बढ़कर अब हम सभी देशवासी, यहीं इस पल से समर्थ-सक्षम, भव्य-दिव्य भारत के निर्माण की सौगंध लेते हैं। राम के विचार, 'मानस के साथ ही जनमानस' में भी हों, यही राष्ट्र निर्माण की सीढ़ी है।

साथियों, आज के युग की मांग है कि हमें अपने अंत:करण को विस्तार देना होगा। हमारी चेतना का विस्तार... देव से देश तक, राम से राष्ट्र तक होना चाहिए। हनुमान जी की भक्ति, हनुमान जी की सेवा, हनुमान जी का समर्पण, ये ऐसे गुण हैं जिन्हें हमें बाहर नहीं खोजना पड़ता। प्रत्येक भारतीय में भक्ति, सेवा और समर्पण के ये भाव, समर्थ-सक्षम,भव्य-दिव्य भारत का आधार बनेंगे। और यही तो है देव से देश और राम से राष्ट्र की चेतना का विस्तार! दूर-सुदूर जंगल में कुटिया में जीवन गुजारने वाली मेरी आदिवासी मां शबरी का ध्यान आते ही, अप्रतिम विश्वास जागृत होता है। मां शबरी तो कब से कहती थीं- राम आएंगे। प्रत्येक भारतीय में जन्मा यही विश्वास, समर्थ-सक्षम, भव्य-दिव्य भारत का आधार बनेगा। और यही तो है देव से देश और राम से राष्ट्र की चेतना का विस्तार! हम सब जानते हैं कि निषादराज की मित्रता, सभी बंधनों से परे है। निषादराज का राम के प्रति सम्मोहन, प्रभु राम का निषादराज के लिए अपनापन कितना मौलिक है। सब अपने हैं, सभी समान हैं। प्रत्येक भारतीय में अपनत्व की, बंधुत्व की ये भावना, समर्थ-सक्षम, भव्य-दिव्य भारत का आधार बनेगी। और यही तो है देव से देश और राम से राष्ट्र की चेतना का विस्तार।

साथियों, आज देश में निराशा के लिए रत्तीभर भी स्थान नहीं है। मैं तो बहुत सामान्य हूं, मैं तो बहुत छोटा हूं, अगर कोई ये सोचता है, तो उसे गिलहरी के योगदान को याद करना चाहिए। गिलहरी का स्मरण ही हमें हमारी इस हिचक को दूर करेगा, हमें सिखाएगा कि छोटे-बड़े हर प्रयास की अपनी ताकत होती है, अपना योगदान होता है। और सबके प्रयास की यही भावना, समर्थ-सक्षम, भव्य-दिव्य भारत का आधार बनेगी। और यही तो है देव से देश और राम से राष्ट्र की चेतना का विस्तार।

साथियों, लंकापति रावण, प्रकांड ज्ञानी थे, अपार शक्ति के धनी थे। लेकिन जटायु जी की मूल्य निष्ठा देखिए, वे महाबली रावण से भिड़ गए। उन्हें भी पता था कि वो रावण को परास्त नहीं कर पाएंगे। लेकिन फिर भी उन्होंने रावण को चुनौती दी। कर्तव्य की यही पराकाष्ठा समर्थ-सक्षम, भव्य-दिव्य भारत का आधार है। और यही तो है, देव से देश और राम से राष्ट्र की चेतना का विस्तार। आइए, हम संकल्प लें कि राष्ट्र निर्माण के लिए हम अपने जीवन का पल-पल लगा देंगे। रामकाज से राष्ट्रकाज, समय का पल-पल, शरीर का कण-कण, राम समर्पण को राष्ट्र समर्पण के ध्येय से जोड़ देंगे।

मेरे देशवासियों, प्रभु श्रीराम की हमारी पूजा, विशेष होनी चाहिए। ये पूजा, स्व से ऊपर उठकर समष्टि के लिए होनी चाहिए। ये पूजा, अहम से उठकर वयम के लिए होनी चाहिए। प्रभु को जो भोग चढ़ेगा, वो विकसित भारत के लिए हमारे परिश्रम की पराकाष्ठा का प्रसाद भी होगा। हमें नित्य पराक्रम, पुरुषार्थ, समर्पण का प्रसाद प्रभु राम को चढ़ाना होगा। इनसे नित्य प्रभु राम की पूजा करनी होगी, तब हम भारत को वैभवशाली और विकसित बना पाएंगे।

मेरे प्यारे देशवासियों, ये भारत के विकास का अमृतकाल है। आज भारत युवा शक्ति की पूंजी से भरा हुआ है, ऊर्जा से भरा हुआ है। ऐसी सकारात्मक परिस्थितियां, फिर ना जाने कितने समय बाद बनेंगी। हमें अब चूकना नहीं है, हमें अब बैठना नहीं है। मैं अपने देश के युवाओं से कहूंगा। आपके सामने हजारों वर्षों की परंपरा की प्रेरणा है। आप भारत की उस पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं...जो चांद पर तिरंगा लहरा रही है, जो 15 लाख किलोमीटर की यात्रा करके, सूर्य के पास जाकर मिशन आदित्य को सफल बना रही है, जो आसमान में तेजस... सागर में विक्रांत...का परचम लहरा रही है। अपनी विरासत पर गर्व करते हुए आपको भारत का नव प्रभात लिखना है। परंपरा की पवित्रता और आधुनिकता की अनंतता, दोनों ही पथ पर चलते हुए भारत, समृद्धि के लक्ष्य तक पहुंचेगा।

मेरे साथियों, आने वाला समय अब सफलता का है। आने वाला समय अब सिद्धि का है। ये भव्य राम मंदिर साक्षी बनेगा- भारत के उत्कर्ष का, भारत के उदय का, ये भव्य राम मंदिर साक्षी बनेगा- भव्य भारत के अभ्युदय का, विकसित भारत का! ये मंदिर सिखाता है कि अगर लक्ष्य, सत्य प्रमाणित हो, अगर लक्ष्य, सामूहिकता और संगठित शक्ति से जन्मा हो, तब उस लक्ष्य को प्राप्त करना असंभव नहीं है। ये भारत का समय है और भारत अब आगे बढ़ने वाला है। शताब्दियों की प्रतीक्षा के बाद हम यहां पहुंचे हैं। हम सब ने इस युग का, इस कालखंड का इंतजार किया है। अब हम रुकेंगे नहीं। हम विकास की ऊंचाई पर जाकर ही रहेंगे। इसी भाव के साथ रामलला के चरणों में प्रणाम करते हुए आप सभी को बहुत बहुत शुभकामनाएं। सभी संतों के चरणों में मेरे प्रणाम।

□□□

Important Income Tax Updates and Compliances

सूक्ष्म तथा लघु इकाइयों से की गई खरीद का भुगतान 31 मार्च को बकाया रहने पर बड़ी टैक्स देनदारी आ सकती है। इसलिए अभी से इस पर काम करें।

1. सूक्ष्म तथा लघु इकाइयों से की गई खरीद (Purchase/Expense) का Deduction तभी मिलेगा यदि उसका पेमेंट Supplier से तय किये गये Credit Period Maximum (45 दिन) में कर दिया जाता है।
2. यदि कोई Credit Period तय नहीं किया गया है, तो ऐसे मामले में भुगतान की शर्त (Terms) 15 दिन ही मानी जाएगी। दोनों पार्टी यदि सहमत हो, तो भी इस प्रावधान के लिए 45 दिन से अधिक का समय मान्य नहीं होगा।
3. उदाहरण के तौर पर यदि आपकी 1 करोड़ की खरीद (Grey Fabric/ Yarn/ Sarees/ Packing Material/ Diamond/CA Fees) का भुगतान 31 मार्च को 45 दिन से अधिक समय से बाक़ी हैं, तो 1 Crore आपकी आय में जुड़ जाएँगे और उस पर लगभग 30-35 लाख तक की Tax Liability आ सकती हैं।
4. Micro Enterprise का अभिप्राय ऐसी फर्म से है जिसका Plant and Machinery में Investment 1 Crore से ज्यादा नहीं हो और टर्नओवर 5 ष्ह्रश्रह्द्ग से ज्यादा नहीं हो।
5. Small Enterprise का अभिप्राय ऐसी फर्म से है जिसका Plant and Machinery में Investment 10 Crore से ज्यादा नहीं हो और टर्नओवर 50 Crore से ज्यादा नहीं हो।
6. Te&tile unit/Weaving unit/Embroidery unit/Knitting unit/Garment unit/Digital Printing unit/ CA Firm/Saree Bo& Manufacturer/Wrapping/Twisting/Value addition units Micro और Small Enterprise की परिभाषा में आते हैं।
7. यदि पेमेंट 45 दिन से अधिक समय से बाक़ी है किंतु Financial Year समाप्त होने से पहले पेमेंट कर दिया जाता है, तो ऐसे case में उसका deduction उसी वर्ष में मिल जायेगा।
8. अगर 45 दिन के बाद पेमेंट किया गया है, तो उस स्थिति में जिस वर्ष में पेमेंट किया गया है उस वर्ष में उसका deduction मिलेगा।
9. ऐसी यूनिट से की गई Purchase पर ये प्रावधान लागू होंगे चाहे ख़रीददार MSME में रजिस्टर्ड हो अथवा नहीं।
10. यदि Income Tax Scrutiny के दौरान आयकर विभागके crossconfirmation से यह पता चलता है कि आपका Supplier Micro या Smallunit है और उसका payment Time limit के बाद में किया है, तो वह उस समय भी Outstandingpayment को Incomeमें Add कर सकता है।

11. यह प्रावधान 1/04/2023 से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष से लागू हो गया है।
12. यह सुझाव है कि आप अपने sale invoice में अपना Udyam रजिस्ट्रेशन नंबर एवं अपनी कैटेगरी (Micro/ Small/ Medium) अंकितकर लेवे जिससेख़रीददार को आपका MSME के status का पता चल जाये।
13. यह Analyseकिया है कि Group firms के पेमेंट भी out-standing रह जाते हैं, इसलिए इसका भी ध्यान रखे। MSME's की परिभाषा में रिटेल और होलसेल ट्रेडर्स को vide OM no. 5/2(2)/2021-E/P&G/Policy dated 02.07.2021 में जोड़ा गया था ताकि उनको भी prioritysector lending (loans) के जो फायदे MSME's को मिलते है, वो उन्हें भी प्राप्त हो सके।

केंद्र सरकार के MSME विभाग द्वारा 01.09.2021 के इस ऑफिस मेमोरेंडम में यह स्पष्ट किया गया था कि रिटेल और होलसेल ट्रेडर्स को MSMED एक्ट के लेट पेमेंट वाले benefits नहीं मिलेंगे। इसका आशय यह है कि कोई भी संस्था रिटेल या होलसेल ट्रेडर्स से माल खरीदता है या सर्विस प्राप्त करती है तो उसे 45 या 15 दिन में पेमेंट नहीं करने पर भी वह खर्च, उसी साल में allowed होना चाहिए, जिस साल में वह बिल प्राप्त हुआ है।

इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 43B(h) के अनुसार किसी भी SME मैन्युफैक्चरर यानी 50 करोड़ तक टर्न ओवर करने वाले उद्यमी से माल खरीदने पर आपको तय कण्डीशन में 45 दिन अन्यथा 15 दिन में पेमेंट करना होगा अन्यता वह खर्च आपको उस साल में खर्चा allowed नहीं होगा। जिस वर्ष में पेमेंट किया जाएगा, उस वर्ष में वो खर्चा allowed होगा।

A Year of Hits and Misses for the Indian Pharma Sector

Even as pharma exports grew in terms of volumes and value, the cloud of inadequate hygiene and safety in some pharma companies continued to hang over the industry, forcing the government to put in place more stringent inspections and processes.

Even as the combined exports of the Indian pharma sector rose by 37 percent between January and November this year, Indian companies made international headlines for the wrong reasons after some countries reported adverse drug reactions and deaths of children who consumed cough syrups. After a long pause in US Food and Drug Administration (USFDA) inspections on account of the pandemic, inspections were back in full swing in 2023.

India's pharmaceutical exports saw a 37 percent (in terms of export value) rise from January to November, marking a positive trend. In terms of volume, the quantity was up 26 percent to over 63,000 tonnes in October 2023. India remained the largest generic drugs supplier to the US, contributing to almost 40 percent of the US market.

Many top Indian companies reported record high sales in the US this year. For Q2 FY 24 results, Cipla achieved record-breaking quarterly sales of $229 million. In the same period, Lupin's US sales crossed $200 million for the first time in nearly the last two years, while Sun Pharma reported US formulation sales of $430 million.

Issues of substandard drugs continue

In late 2022, the World Health Organisation (WHO) issued an alert over child fatalities and adverse reactions to cough syrups in multiple countries, tracing some back to products originating in India. Throughout 2023, such incidents persisted, involving QP Pharma Chem's tainted syrups in the Marshall Islands and Micronesia, SyneCare in Nigeria, and the WHO flagging Fourrts Labs' cold Out in Iraq. Indiana

Ophthalmics and Global Pharma faced serious allegations, including instances of eye damage in Sri Lanka and contamination in the US, linked to vision loss and a fatality.

The common factor in the cases involving cough syrups was the presence of dangerous levels of toxic substances, particularly diethylene glycol and ethylene glycol. Manufacturers often denied responsibility, claiming these ingredients were not used, or attributing the issues to improper product administration. In the case of the eye drops, the issues were caused by contamination.

In response, Indian regulators took significant actions, inspecting 76 companies and revoking licenses of 18 of them producing spurious drugs. The government mandated rigorous testing of cough syrups before export, with the Central Drugs Standard Control Organization (CDSCO) temporarily pausing testing for other products. Regulators and industry associations, including the Indian Pharmaceutical Alliance (IPA) and the Indian Drug Manufacturers Association (IDMA), initiated training and education for Indian entities.

LUB's News in Brief

Nominations of LUB's Officials in CPFB

Congratulations to LUB's former National President Shri Baldev Bhai Prajapati & Shri Sachin B. Sabnis. Both are inducted as trustee of Central Provident Fund Board.

लघु उद्योग भारती, राजस्थान के प्रदेश महामंत्री श्री योगेंद्र शर्मा को श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा श्रमिक एवं विकास आयोग में मानद सदस्य मनोनीत किया है। इस नव दायित्व पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

□□□

एलयूबी शिष्टमंडल ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव से की औद्योगिक समस्याओं पर चर्चा

लघु उद्योग भारती के शिष्टमंडल ने केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव से 6 जनवरी को भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्रालय से संबंधित उद्योगों के सामने आ रही विभिन्न समस्याओं व सुझावों का प्रतिवेदन सौंप कर विस्तृत चर्चा की जिसमें ईपीसी, प्लास्टिक, ईएसआई पीएफ, प्रदूषित पानी के लिए एक नीति बनवाने हेतु एनसीआर के अलावा एरिया में पेट कॉक के उपयोग को शुरू करने हेतु, मिनरल माइनिंग, एनसीआर, टीटीजेड आदि मुद्दों पर चर्चा की जिनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किये गए। इसमें सीपीसीबी के चेयरमैन श्री तन्मय और ईएसआई के श्री आलोक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रतिनिधिमंडल में अखिल भारतीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चन्द्र जी, अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा एवं राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड़, श्री राजेश गुप्ता अलवर, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वजुभाई वघासिया अहमदाबाद, श्री प्रवीण लांबा भिवाड़ी, श्री अभिषेक अजमेर, श्री पूनम तंवर मंडोर, श्री संजय चौधरी भरतपुर सहित अन्य स्थानों से अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

□□□

एलयूबी प्रतिनिधिमंडल ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से की भेंट

दिल्ली में अखिल भारतीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाशचंद्र जी एवं अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा के नेतृत्व में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से 16 जनवरी को भेंट की। केंद्र सरकार द्वारा बसों के लिए फायर अलार्म व प्रोटेक्शन सिस्टम की बाध्यता पर चर्चा हुई। बाजार में यह सिस्टम उपलब्ध नहीं होने से बसों के निर्माण में आ रही दिक्कतों को देखते हुए श्री गडकरी ने तुरंत प्रभाव से स्थगित करने का आश्वासन दिया। इसी प्रकार EV, UER-2 के अलीपुर–बवाना – बड़वासनी, अलवर राजमार्ग व गाड़ियों की गति सीमा पर सकारात्मक चर्चा हुई। प्रतिनिधि मण्डल में राजस्थान, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडू के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

□□□

वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल से एलयूबी शीर्ष नेतृत्व ने की उद्योग समाधानों पर

लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय नेतृत्व एवं राज्य प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय वाणिज्य व टेक्सटाइल मंत्री श्री पीयूष गोयल से तीन जनवरी को दिल्ली में भेंट की। इस अवसर पर उद्योगों के समक्ष विविध समस्याओं और उनके व्यावहारिक समाधानों पर चर्चा हुई। लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्रजी,

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा, राष्ट्रीय महासचिव श्री ओमप्रकाश गुप्ता, राष्ट्रीय सचिव श्री नरेश पारीक, श्री जनक भाटिया एवं राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड़ सहित अन्य पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

□□□

कौशल विकास केन्द्र जयपुर में सीएसआर में रु 85 लाख की मिली सहयोग राशि

जयपुर में निर्माणाधीन लघु उद्योग भारती कौशल विकास केन्द्र में प्रशिक्षणार्थियों के विश्राम हेतु पंचम तल पर विश्राम गृह के निर्माण हेतु सीएसआर सहयोग राशि के अंतर्गत इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (IGL) द्वारा रुपये 85 लाख स्वीकृत किये गये हैं। लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा एवं IGL के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमनदीप सिंह ने इस हेतु MOU पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय सचिव श्री नरेश पारीक, ढुलरुके महाप्रबंधक श्रीमती आनंदी मिश्रा एवं उप प्रबंधक श्रीमती विजया लक्ष्मी भी उपस्थित रहीं। □□□

मास कॉम की बैठक में हुआ मंथन

आठ जनवरी को संगठन मंत्र के साथ शुरू इस वीसी में सबसे पहले मंजुला जी ने बताया कि जितने भी अनऑथराइज्ड सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स उपलब्ध है, उन सबको हटाने के लिए कोई कार्य नहीं हुआ। इसी तरह गूगल मैप पर अखिल भारतीय कार्यालय का फोटो भी अपडेट नहीं हुई। श्री गणेश ने वीकली न्यूजलेटर के लिए एक डेडिकेटेड ईमेल आईडी बनाने का सुझाव दिया जिससे इवेंट ऑफ द वीक अथवा अन्य जानकारी भेजी जा सके। श्री रोहित ने डिजाइन एवं लोगो के जरिये पूरे देश में एकरूपता पर जोर दियाद्य मीटिंग में इस बात पर सहमति बनी कि मीटिंग में लिए गए सभी निर्णयों को समयबद्ध क्रियान्वित करना चाहिए।

बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा ने जयपुर एग्जीबिशन की जानकारी दी जिसमें मास कम्युनिकेशन के सदस्यों से चर्चा की। श्रीमती प्रांजल ने एमएसएमई सब्सिडी के बारे में जानकारी दी। श्री रोहित ने कहा कि कार्यक्रम की डे-वाइज डिटेल उपलब्ध करवाई जाए। इवेंट के दौरान टॉक शो और पैनल डिस्कशन किए जाने का सुझाव दिया। टॉक शो एवं पैनल डिस्कशन को मासकॉम की टीम द्वारा सभी मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव करने के लिए सहमति बनी। अंत में अखिल भारतीय महामंत्री श्री ओमप्रकाश गुप्ता द्वारा सभी सदस्यों से चर्चा की गई और श्रीमती मंजुला द्वारा फार्म उपलब्ध करवा कर जयपुर एग्जीबिशन की जानकारी ली जाएगी ऐसा कहा गया। विसर्जन मंत्र के द्वारा बैठक का समापन हुआ।

□□□

मध्यप्रदेश में भारत-ताइवान इंपोर्ट-एक्सपोर्ट बिजनेस मीट का आयोजन

लघु उद्योग भारती मध्यप्रदेश द्वारा निर्यात को बढ़ाने एवं नई तकनीक की जानकारी के संदर्भ में 17 जनवरी इंपोर्ट एक्सपोर्ट बिजनेस मीट रखी गई, जिसमें ताइवान एक्सटर्नल ट्रेड डेवलपमेंट कौंसिल डिपार्टमेंट के प्रतिनिधि मंडल में श्री एडिसन डायरेक्टर टैट्रा एवं श्री अभिषेक मनोज नायर शामिल हुए। ताइवान सरकार का यह विभाग संपूर्ण विश्व में ताइवान की उच्च कोटि के प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों एवं मित्र देशों की कंपनियां के बीच समन्वय का कार्य करता है जिससे मित्र देशों की कंपनियों को उनकी फील्ड के नए प्रोडक्ट की जानकारी, टेक्नोलॉजी टाईअप एवं साथ में व्यवसाय करने का मौका मिलता है।

TAITRA एवं लघु उद्योग भारती के सदस्यों के टेक्नोलॉजी उन्नयन एवं ताइवान की कंपनियों के साथ TIE-UP को समझने हेतु कार्यक्रम रखा गया था। डायरेक्टर एडिसन द्वारा ताइवान से उद्योग अथवा टेक्नोलॉजी व अन्य विषयों पर अत्यंत सारगर्भित जानकारी दी गई कि किस तरह मध्यप्रदेश के उद्योगपति ताइवान से मिल कर अपने उद्योग को कई गुना बढ़ा सकते हैं। एलयूबी भोपाल के अध्यक्ष श्री विनोद नायर व सचिव श्री दिनेश कुमार गुप्ता ने अतिथियों एवं गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र के उद्योगपतियों का स्वागत किया। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्री मितेश लोकवानी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। युवा उद्यमीगण बैठक के पश्चात ताइवान में अपने व्यापार के विस्तार के लिए नई संभावनाओं को देख रहे हैं।

□□□

उत्तर प्रदेश के मेरठ संभाग की संगठनात्मक बैठक संपन्न

लघु उद्योग भारती मेरठ संभाग की संगठनात्मक बैठक का आयोजन मोदीनगर इकाई में राममनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट मोदीनगर में 19 जनवरी को हुआ। बैठक में अखिल भारतीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाशचंद्र जी, अखिल भारतीय महासचिव श्री ओमप्रकाश गुप्ता, अखिल भारतीय संयुक्त मंत्री श्री राकेश गर्ग, अखिल भारतीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री मधुसूदन दादू ने व्यापारियों की समस्याएं सुनी व समाधान भी दिए।

मुख्य अतिथि श्रीमती सेल्वा कुमारी मंडल आयुक्त मेरठ एवं चेयरमैन फैसिलिटेशन काउंसिल रही। मंडल आयुक्त ने फैसिलिटेशन काउंसिल की वर्कशॉप कराई जिसमें उपायुक्त जिला उद्योग केंद्र एवं सहसचिव फैसिलिटेशन काउंसिल श्री दीपेंद्र कुमार ने व्यापारियों को एमएसएमई की फैसिलिटेशन काउंसिल के बारे में बताया जो कि व्यापारियों की माल का भुगतान समय पर न होने की स्थिति में व्यापारियों के लिए एक समाधान पोर्टल है। कार्यक्रम संयोजक श्री अमित अग्रवाल, जिला महासचिव श्री राजीव शर्मा व मोदी नगर अध्यक्ष श्री सतेंद्र गौतम ने संयुक्त रूप से मंडल आयुक्त से मोदीनगर की उद्योग संबंधित समस्याओं को रखा जिसमें धारा 80 व बिजली की समस्या मुख्य रूप से रही।

□□□

काशी प्रांत में उद्यमी सम्मेलन आयोजित

लघु उद्योग भारती काशी प्रांत द्वारा आयोजित उद्यमी सम्मेलन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह तथा लघु उद्योग भारती के पालक अधिकारी मान्य डॉ. कृष्ण गोपाल जी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। एमएसएमई मंत्री श्री नंद कुमार नंदी तथा विद्युत आपूर्ति मंत्री श्री एके शर्मा भी उपस्थित रहे। सम्मेलन में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों सहित 300 उद्यमियों ने भाग लिया।

□□□

अवध प्रांत में उद्यमी सम्मेलन संपन्न

लघु उद्योग भारती अवध प्रांत का उद्यमी सम्मेलन 15 जनवरी को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि खाद्य एवं रसद आपूर्ति मंत्री श्री .... एवं विशिष्ट अतिथि प्रांत संघचालक श्री कृष्ण मोहन ने उद्यमी जन का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तरप्रदेश महामंत्री श्री भरत थराद ने की, एमएलसी श्री पवन सिंह चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में रहे। कार्यक्रम में अवध प्रांत अध्यक्ष श्रीमती रीता मित्तल, प्रांत महामंत्री श्री रामप्रकाश गुप्ता, प्रांत कोषाध्यक्ष श्री सुधीर गर्ग, प्रान्त मीडिया प्रभारी श्री मनोज कुमार गुप्ता एवम अवध प्रांत के मंडल अध्यक्ष समेत सभी जिलों के अध्यक्ष एवम महामंत्री आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अवध प्रांत के नव वर्ष के कैलेंडर का भी विमोचन हुआ।

□□□

LUB's New Unit at Khammam Inuagurated in Telengana

LUB's new unit Khammam was constituted in the presence of All India Joint General Secretary Shri Mohan Sundaram, State President Shri Sricharan, General Secretary Shri J.L. Sumanth, Treasurer Shri Ramakrishna Raju, State Joint Secretary Shri Narendra Dutt, State Secretary Shri N.S.N. Murthy, State Executive Member Shri Anuj Khandelwal on 8th January.

□□□

LUB's New Unit Inaugurated in Banaskantha District

LUB's Banaskantha District (Gujarat State) added its 3rd Unit at Disa in the cold storage area. On this occasion, Gujarat Prabhari Shri Baldevbhai Prajapati & RSS Gujarat Prant Bhauddhik Pramukh Shri Kailash Trivedi, National Secretary Shri Shyam Sundar Saluja, Shri Ishwar Sajjan, RSS Disa Nagar Sangh Chalak Shri Shailash, LUB Karnavati Sambhag Pramukh Shri Ishwarbhai Patel and other officials were present.

□□□

गुजरात में कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर आयोजित

लघु उद्योग भारती गुजरात के उत्तर विभाग में कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 6 एवं 7 जनवरी को किया गया। शक्तिपीठ अम्बाजी के इस कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाशचंद्र जी एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और गुजरात प्रभारी श्री बलदेव भाई प्रजापति ने संगठन की रीति-नीति, वर्तमान परिवेश एवं भविष्य के औद्योगिक रोड मैप के बारे में मार्गदर्शन किया।

□□□

राजस्थान महिला कार्यकारिणी की बैठक में की कार्य समीक्षा

एलयूबी राजस्थान की महिला कार्यकारिणी की बैठक प्रदेश महामंत्री श्रीमती मंजु सारस्वत की अध्यक्षता में हुई। बैठक में उदयपुर से श्रीमती रीना राठौड़, श्रीमती सीमा परीक, जयपुरसे सुश्री सुनीता शर्मा, श्रीमती सारिका त्रिपाठी, श्रीमती रामा अग्रवाल, ब्यावर से श्रीमती अर्पिता, श्रीमती उर्वशी, भीलवाड़ा से श्रीमती पल्लवी लढ़ा, किशनगढ़ से श्रीमती रिंकु मालपनी, अलवर से श्रीमती शिवानी, श्रीमती अलका सिंह, श्रीमती रूपाली गुप्ता, जोधपुर से श्रीमती स्वाति शर्मा, राजसमंद से श्रीमती किरण बापना एवं श्रीमती लीला लढ़ा ने भाग लिया। बैठक में बीते माह कोटा, भीलवाड़ा एवं ब्यावर में हुई स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी के बारे में चर्चा हुई। श्रीमती किरण ने एक ब्रॉडकास्ट ग्रुप के संचालन की ज़िम्मेदारी ली। श्रीमती अंजुसिंह ने DCH की प्रदर्शनी के लिए एक राष्ट्रीय कैलेंडर के विषय में जानकारीदी। श्रीमती मंजु सारस्वत ने प्रति माह प्रशिक्षण कार्य करने के बारे में सत्र लिया। श्रीमतीरिंकु मालपानी को मासिक बैठक की रिपोर्ट बनाने के लिए अनुमोदित किया। बैठक का संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती अंजु सिंह ने किया। □□□

एलयूबी जोधपुर और यूग्रो कैपिटल ने डिजिटल क्रेडिट पर किया विशेष-सत्र

लघु उद्योग भारती और यूग्रो कैपिटल ने राजस्थान के बीकानेर शहर में सेमिनार का आयोजन किया जिसमें कारोबारियों को सरकारी योजनाओं और डिजिटल क्रेडिट की महत्ता पर जागरूक किया गया। लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा ने सूक्ष्म उद्यमों के लिए इसे एक महत्त्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि यह सेमिनार सरकारी योजनाओं और डिजिटल क्रेडिट के माध्यम से एमएसएमई को सशक्त बनाने में मदद करेंगे। लघु उद्यमियों को सफलता प्राप्त करने में मार्गदर्शन करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस तरह के 100 सेमिनार आयोजित किये जायेंगे। □□□

कोटा महिला इकाई द्वारा स्वयंसिद्धा स्वावलंबी मेले का आयोजन

लघु उद्योग भारती, कोटा महिला इकाई द्वारा 5 से 7 जनवरी तक स्वयंसिद्धा स्वावलंबी मेले का आयोजन सिडबी की सहयोग से किया गया। स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी का उद्घाटन 5 जनवरी को लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री राजेश बिरला ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री ताराचंद गोयल एवं एसएसआई के संस्थापक अध्यक्ष श्री गोविंदराम मित्तल रहे। कार्यक्रम के समापन सत्र में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

मेले का उद्देश्य महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन देकर, उनके द्वारा निर्मित उत्पाद को बाजार उपलब्ध कराना एवं उद्योग जगत में स्थापित करने में सहायता प्रदान करना है। स्वयंसिद्धा स्वावलंबी मेले में छोटे-बड़े हर उद्यमी को अवसर दिया गया। सिडबी की सहायता से छोटे स्तर पर कार्य करने वाली महिलाओं तथा ऐसे स्वयं सहायता समूह जो बहुत छोटे स्तर पर कार्य कर रहे हैं उनको नि:शुल्क स्टाल उपलब्ध कराई गई, साथ ही अन्य महिला उद्यमियों को भी रियायती दर पर स्टाल दी गई। रियायती दर पर स्टाल मिलने से जयपुर, जोधपुर, अलवर, उदयपुर, चित्तौड़, सूरत, दिल्ली समेत कई शहरों के उद्यमियों ने मेले में अपने स्टाल लगाए। मेले में 105 स्टॉल लगाई गई।

मेले में हस्तशिल्प से लेकर फैशन परिधान, ज्वेलरी, साज-सज्जा, सजावट एवं खाने-पीने के सामान की स्टाल के साथ लोगों के मनोरंजन के लिए गेम्स की स्टाल भी लगाई गई। मेले में स्वयं-सहायता समूह के स्टॉल्स पर आँवला, अनारदाना, पुदीना, हींग की चटपटी गोलियां थी, तो कहीं अचार-पापड़, मंगोड़ी भी उपलब्ध थी। आदिवासियों द्वारा कशीदाकारी से तैयार किए गए पर्स, डायरी, फोल्डर, बैग, सजावटी सामान लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे।

स्वयंसिद्धा स्वावलंबी मेले में प्रचार-प्रसार की दौड़ में पिछड़ चुके उद्यमियों को अपना हुनर दिखलाने का अवसर प्रदान किया गया। लोगों को मेले में अच्छी गुणवत्ता का सामान उचित दर पर खरीदने का सुअवसर मिला। मेले का टर्नओवर लगभग 30 लाख रुपये रहा। करीब 5000 लोग मेले में शामिल हुए।

□□□

राजसमंद की 8वीं इकाई नाथद्वारा का गठन

लघु उद्योग भारती राजसमंद की 8वीं इकाई नाथद्वारा के गठन हेतु प्रदेश महामंत्री श्री योगेन्द्र शर्मा की उपस्थिति में संपर्क कर एलयूबी परिवार में सदस्यता ग्रहण करवायी गई। लंबित प्रयासों को गति मिलने के साथ इकाई गठन की योजना भी तय की गई। संपर्क के दौरान राजसमंद मुख्य शाखा अध्यक्ष श्री संदीप सामसुखा, महामंत्री श्री हेमंत सहलोत एवं प्रांत कार्यकारिणी सदस्य श्री हर्षलाल नवलखा, श्री मानसिंह बारहठ एवं क्षेत्र के उद्यमियों की उपस्थिति रही।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर राजसमंद में उद्योग दर्शन कार्यक्रम

सर्वप्रथम उद्योग दर्शन निमित्त आये लघु उद्योग भारती राजसमंद के सदस्यों का इकाई के निदेशक श्री बृजगोपाल मालू ने स्वागत किया। उसके बाद कंपनी के प्लांट की व्यवस्थित रूप से अवलोकन की व्यवस्था सुनिश्चित की। उद्योग दर्शन उपरांत शाखा की मासिक बैठक इकाई अध्यक्ष श्री संदीप सामसुखा की अध्यक्षता में रखी गई। बैठक में महामंत्री श्री हेमंत सहलोत ने श्री बृजगोपाल मालू का पगड़ी उपरने एवं मेमेंटो द्वारा स्वागत किया। साथ ही इकाई की सदस्यता की करवाई।

□□□

मंडोर इकाई ने दिया सेल्फ डिफेंस का ज्ञान

लघु उद्योग भारती मंडोर इकाई के द्वारा सुरक्षित जीवन रखने के तरीके, योग से अपने को स्वस्थ रखने व आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के विषय में आवश्यक जानकारी दी गयी। आदर्श विद्या मंदिर स्कूल, लालसागर में यह आयोजन रखा गया जिसमें 100 छात्राओं ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि बालिकाओं को यह जानकारी अति आवश्यक आवश्यक है कि वे किस तरह अपने आपको सुरक्षित रखें। □□□

अलवर में पारिवारिक स्नेह मिलन आयोजित

लघु उद्योग भारती, अलवर तथा महिला इकाई ने संयुक्त रूप से लोहड़ी एवं मकर संक्रांति के पावन पर्व पर पारिवारिक स्नेह मिलन कार्यक्रम 12 जनवरी को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती सदस्यों के बच्चों द्वारा श्री राम दरबार की झांकी की सुंदर प्रस्तुति दी गई, जिसे राम धुन व भजन के साथ श्री राम आरती के साथ पूर्ण किया गया। मिलन कार्यक्रम में 150 की संख्या में सदस्यों ने परिवार सहित उपस्थिति दी तथा विभिन्न खेल और मनोरंजन क्रियाओं में भाग लेकर इस समारोह को सफल बनाया।

कार्यक्रम में बानसूर से विधायक व अलवर के पूर्व यूआईटी चेयरमैन श्री देवी सिंह शेखावत उपस्थित रहे, जो लघु उद्योग भारती किशनगढ़ (अजमेर) के वरिष्ठ सदस्य भी हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अलवर के विभाग प्रचारक श्री नरेन्द्र भारत ने 22 जनवरी को अयोध्या में श्री राम लला मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को अपने स्तर पर धूमधाम से मनाने के लिए प्रेरित किया।

□□□

किशनगढ़ प्रतिनिधिमंडल ने उद्योग राज्य मंत्री से की भेंट

लघु उद्योग भारती, किशनगढ़ इकाई प्रतिनिधि मंडल ने राजस्थान सरकार के उद्योग राज्य मंत्री श्री केके बिश्नोई के साथ शिष्टाचार भेंट की एवं क्षेत्र की औद्योगिक समस्याओं के बारे में

विस्तृत चर्चा की गई, जिस पर संगठन को आश्वस्त किया कि लघु उद्योग भारती द्वारा प्रस्तुत की गई सभी समस्याओं एवं सुझावों पर अमल किया जाएगा और क्षेत्र के उद्यमियों को राहत प्रदान की जाएगी।

भिवाड़ी महिला इकाई व चौपानकी इकाई का गठन

लघु उद्योग भारती की भिवाड़ी महिला इकाई व चौपानकी इकाई गठन का कार्यक्रम भिवाड़ी इंडस्ट्रियल एरिया में 2 जनवरी को आयोजित किया गया। इन दोनों इकाइयों के साथ जयपुर अंचल में 42 एवं राजस्थान प्रदेश में 139 संख्या हो गई है। उल्लेखनीय है कि भिवाड़ी महिला इकाई जयपुर अंचल की चौथी महिला इकाई है. कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा, राष्ट्रीय सचिव श्री नरेश पारीक, संघ चालक श्री विपिन चौधरी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक श्री लक्ष्मण जी, राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्री प्रवीण लांबा, अंचल अध्यक्ष श्री सुधीर कुमार गर्ग सहित अनेक उद्यमियों व गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण श्री जोगिन्दर नाथ सोंधी ने किया। संगठन का परिचय एवं संगठन की उपलब्धियां राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड ने बताई गई। साथ ही चौपानकी इकाई के गठन एवं दायित्वों की घोषणा की। जयपुर अंचल महामंत्री सुश्री सुनीता शर्मा ने भिवाड़ी महिला इकाई के गठन एवं दायित्वों की घोषणा की। चौपानकी इकाई अध्यक्ष श्री मुकेश शर्मा व महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती मीना जैन ने इकाई की आगामी योजनाओं की जानकारी दी।

अलवर इकाई ने सामाजिक सरोकार के तहत स्वेटर वितरण किया

लघु उद्योग भारती, अलवर द्वारा सामाजिक सरोकार के तहत राजकीय प्रताप उच्च विद्यालय, अलवर में 15 जनवरी को 227 बच्चों को स्वेटर वितरित किए गए। कार्यक्रम में अतिथि रूप में श्री अशोक गुप्ता, प्रांत गौ सेवा प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रहे। श्री राजेश गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष, श्री संदीप गुप्ता प्रांत संयुक्त महासचिव, श्री देवेंद्र अग्रवाल अध्यक्ष, श्री विनोद अग्रवाल कोषाध्यक्ष, श्रीमती शिवानी यादव अध्यक्ष महिला इकाई, श्रीमती रुपाली गुप्ता कोषाध्यक्ष, महिला इकाई ने सहभागिता की। इसके अलावा विद्यालय प्रधानाचार्य श्रीमती सुमन गुप्ता, श्री अजित शास्त्री, श्री अनिल सहित सभी शिक्षक गण व विद्यार्थी मौजूद रहे।

पाली इकाई ने एमएसएमई एक्ट के नए प्रावधानों की जानकारी दी

लघु उद्योग भारती, राजस्थान की पाली इकाई के तत्वावधान में 25 जनवरी को एमएसएमई एक्ट में जो नए प्रावधान लागू हो रहे हैं उसके संदर्भ में सभी उद्यमी सदस्यों की मीटिंग का आयोजन रखा गया जिसमें विविध एसोसिएशन के पदाधिकारियों सहित जिज्ञासा समाधान के लिए विशेषज्ञ चार्टर्ड अकाउंटेंट बन्धुओं को आमंत्रित किया गया. लघु उद्योग भारतीके श्री ललित मालू ने बताया कि औद्योगिक भवन में सभा का आयोजन किया जिसमें बतौर विशेषज्ञ CA श्री नेमीचंद अखावत, श्री सीपी जोशी एवं श्री अशोक शर्मा ने उद्यमियों की जिज्ञासा का समाधान किया एवं एक्टके बारे में विस्तृत जानकारी दी। अतिथि के रूप में जिला उद्योग केंद्र के उपनिदेशक श्री सैयद रजाक अली एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य श्री कमल गोयल थे। मीटिंग में लघु उद्योग भारती के जोधपुर प्रांत महासचिव श्री विनय बंब सहित श्री संपत सांखलेचा, श्री निलेश सेमलानी, श्री अंकित भंसाली, श्री संदीप मेहता, श्री नरेंद्र गोलछा, श्री राजेश चौधरी, श्री नरेंद्र पंच, श्री वरुण सिंघल, विकास श्री श्रीमाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। मीटिंग में जिला उद्योग अधिकारी ने सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। सभी उद्यमियों ने माइक्रो, स्मॉल के साथ मीडियम उद्योग को भी इस श्रेणी में लाने हेतु सरकार से आग्रह करने की बात कही और यह प्रावधान कुछ समय बाद लागू हो या अधिकतम 45 दिनों की जगह 60 से 90 दिन का समय दिया जाए, यह दोनों विषय लघु उद्योग भारती के प्रांतीय एवं केंद्रीय नेतृत्व के ध्यान में लाकर सरकार से इस हेतु आग्रह किया जाए। मीटिंग में लगभग 250 उद्यमी उपस्थित थे।

पाली में एक लाख आठ हज़ार प्रज्जवलित दीपों से आरती का आयोजन

लघु उद्योग भारती, राजस्थान की पाली की चारों इकाइयों द्वारा शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के साथ अयोध्या में भगवान राम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर लाखोटिया तालाब, छठ घाट पर 108000 दीपक प्रज्वलन, आतिशबाजी एवं आरती का आयोजन रखा गया जिसमें करीब 7000 लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। □□□

बारां में पथ संचलन में की पुष्प वर्षा

लघु उद्योग भारती, राजस्थान की बारां इकाई द्वारा 21 जनवरी को मांगरोल रोड पर स्वागत द्वार लगाया गया हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा पथ-संचलन निकाला गया उस पर पुष्प वर्षा की गई. स्थानीय बाशिंदों ने कारसेवकों व श्री राम प्रभु की शोभा यात्रा पर भी पुष्प वर्षा की। इकाई के 23 सदस्यों ने इसमें भाग लिया।

□□□

महिला इकाई ब्यावर द्वारा स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी उत्तरायण उमंग का आयोजन

लघु उद्योग भारती राजस्थान की ब्यावर महिला इकाई द्वारा 6 और 7 जनवरी को स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी उत्तरायण उमंग का आयोजन किया गया। 6 जनवरी को महिला इकाई और मुख्य इकाई अध्यक्ष के उद्बोधन और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। ब्यावर के साथ-साथ किशनगढ़, पाली,जोधपुर, जयपुर, उदयपुर, अजमेर

से भी LUB सदस्यों और अन्य एग्जीबिटर्स ने स्टॉल लगाई। ज्वैलरी, सूट, कुर्ती, प्लांट्स, साड़ी, बैग्स, मसाले, वूलेन, ब्यूटी केयर प्रोडक्ट्स, केक, खींचे (पापड़) और हर्बल प्रोडक्ट्स, फर्नीचर, सोलर पैनल, चोयल फूड प्रोसेसिंग प्लांट इसके अलावा Gamezone की स्टॉल्स और फूड कोर्ट का भी बहुत ही बेहतरीन इंतजाम किया गया। उदयपुर से श्रीमती रीना राठौर, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्री महेंद्र मांडावत, राजसमंद, किशनगढ़ और जयपुर से भी LUB महिला इकाई की सदस्यों ने आकर प्रदर्शनी के व्यवस्थित आयोजन प्रशंसा की। सभी एक्जीबिटर भी बहुत प्रभावित हुए और उन्हें उम्मीद से ज्यादा अच्छा response मिला। दोनों ही दिन अपेक्षा से ज्यादा संख्या में लोग आए और बच्चों और बड़ों ने गेम जोन और फूड कोर्ट का भरपूर आनंद उठाया। 7 जनवरी को रात 10बजे प्रदर्शनी का समापन किया गया।

□□□

राजस्थान में उद्योगों को किया पेनल्टी मुक्त

राजस्थान के नव निर्वाचित मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने उद्योगों को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने हाल ही EC NOC मामले में उद्योगों को पेनल्टी मुक्त कर प्रदेश की एक हजार औद्योगिक इकाइयों को सीधे राहत प्रदान की है। पहले इन इकाइयों पर 2 से 5 लाख रुपये की पेनल्टी लगाई गई थी, अब बिना पेनल्टी EC NOC ली जा सकेगी। राजस्थान स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के मेम्बर सेक्रेटरी विजय एन ने इस आशय के आदेश जारी कर दिए हैं। □□□

LUB's Chittaur Anchal handed over 26 Cheques for Life Members during Meeting of Rajasthan State Executive conducted in the presence of National Organizing Secretary Shri Prakash Chandra ji & National President Shri Ghanshyam Ojha at Bikaner on 7th January, 2024.

Light Moment: Union Minister Shri Gajendra Singh Shekhawat, LUB's National Organizing Secretary Shri Prakash Chandra ji and State President Shri Shanti Lal Balad at Jodhpur.

LUB's North East Team Discussed the Current Scenario of MSME in the region with Asam Chief Minister Shri Himanta Biswa Sharma.

LUB's Prayagraj Unit of Uttar Pradesh organized a Leen Manufacturing Workshop on 5th January, 2024.

MSME Outreach Program was organized jointly by LUB's Lucknow Unit and SIDBI on 5th January, 2024.

Lohri Utsav was Celebrated by Laghu Udyog Bharati Friends Club in Himachal Pradesh.

Former National President Shri Baldev Bhai Prajapati represented Laghu Udyog Bharati in the Vibrant Gujarat Global Summit organised at Gandhinagar on 10-12 January, 2024.

UDYOG TIMES | OFFICIAL PUBLICATION OF LAGHU UDYOG BHARATI | 30 January, 2024 | Registration No. RAGBIL/2016/69093 Postal Reg. No. : Jaipur City/433/2020-22

Union Minister Shri Gajendra Singh Shekhawat, Chief Minister Rajasthan Shri Bhajanlal Sharma, LUB's National President Shri Ghanshyam Ojha, State General Secretary Shri Yogendra Sharma and other Officials attended an Inaugural Ceremony of Western Rajasthan Udyog Hastshilp Utsav at Jodhpur.

Union Minister for Railways Shri Ashwini Vaishnav was felicitated at Jaipur by LUB's Former National Treasurer Shri (CA) Yogesh Gautam, National Secretary Shri Naresh Pareek, Ms. Anju Singh, State Vice President Shri Mahendra Khurana, Treasurer Shri Arun Jajodia, Jaipur Anchal President Shri Sudhir Garg, Anchal GS Ms. Sunita Sharma and Shri Manish Johri.

Lok Sabha Speaker Shri Om Birla addressed Women Entrepreneurs on the Closing Ceremony of Swayamsiddha Exhibition held at Kota on 7th January, 2024.

LUB's Gujarat State New Executive was formed in the presence of Former National President Shri Baldev Bhai Prajapati on 12th January, 2024.

LUB's Rajasthan State Executive Meeting was conducted in the dignified presence of National Organising Secretary Shri Prakash Chandra ji and National President Shri Ghanshyam Ojha at Bikaner.

An In House Monthly Magazine of Laghu Udhog Bharti, Published by Om Prakash Mittal Printed at RAJ BLOCKS, B-81, Road No. 4, 22 Godown Industrial Area Kartapura, JAIPUR-302019